

आदेश की क्रम संख्या व तिथि	आदेश एवं पदाधिकारी का हस्ताक्षर	आदेश पर की गई कार्रवाई के बारे में टिप्पणी तिथि सहित
1	2	3

29.09.16

अभिलेख अपस्वापित।
अभिलेख दिनांक 12.11.16 को अपस्वापित
करे।
[Signature]

12.11.16

अभिलेख अपस्वापित।
अभिलेख दिनांक 28.12.16 को
अभिलेख दिनांक 12.11.16 को अपस्वापित
करे।
[Signature]

28.11.16

अभिलेख अपस्वापित।
शेखर पुनो को पुनः मॉरिस विजित कुमार
मुल होजायाते के साथ अपस्वापित है। अभिलेख
दिनांक 13.01.14 को अपस्वापित करे।
[Signature]

13.01.14
14.02.14

अभिलेख अपस्वापित।
एह अभिलेख ग्राम-अत्तापुर, थाना-
-04, खान सं-03, पोस्ट-405, खम्बा-8050
पर मलुनी बिली, पिता- मलुनाथ बिली एवं
बिजु जंझु पिता- बिजु जंझु के बीच विवाह
के संबंधित है।
विजित मॉरिस के आवेदन के
प्रथम पत्र श्री विजय कुमार बिली, पिता- [Signature]
मलुनी बिली द्वारा दुहुयमाया दिनांक
14.08.1945 एवं संबंधित दस्तावेज सं.

आदेश की
क्रम संख्या
व तिथि

आदेश एवं पदाधिकारी का हस्ताक्षर

आदेश पर की गई
कार्रवाई के बारे में
लिखनी तिथि ज्ञात

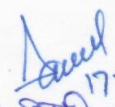
8036 दिमांक 03.06.1944 एवं 1948-49 ई
वर्षी 2015-16 तक के राजस्व रसीद की
इत्याद्री प्रस्तुत की गई है। एवं सुब का
अवलोकन भी कराया गया है। दिनेश पत्र
श्री रिशु जंशु, पिता- बिशु जंशु द्वारा
ज्यादातर में उपस्थित होकर वेपल उपस्थिति
की गई है, परन्तु इसके द्वारा अपने पत्र में
कोई भी कागजात प्रस्तुत नहीं किया गया
है।

भोजा - भागपुर, खाता नं-63,
लॉट - 305, रकबा - 80डी0 RS खतियात
में जैर मजरादा मालिक रही है। ब्रह्म
जमींदार द्वारा प्रवगत भूमि को खादा
हुकुमनामा दिमांक 14.05.1945 द्वारा सुब
भोजा पल - द्वाय भोजा वी तेकरा
जंशु पल रूपवा जंशु को खाता-63,
लॉट - 305, रकबा - 3.0050 भूमि
बन्दोबस्ती में किया गया था। तेकरा भोजा
की पत्नी श्री विरवा भोजाइन में विवेकित
दस्तावेज सं- 8036 दिमांक 03.06.1944
द्वारा लॉट नं- 305 ई 80डी0 भूमि
जबुनी गिरी पल अनुमाष गिरी को
बिक्री कर दिया। बिक्री के पश्चात ई पत्नी
II में जमाबंदी कायम होकर वर्षी 1948-
49 ई लगातार अखतम राजस्व रसीद
जबुनी गिरी के नाम सिरी ले रहा है।
दिनेश पत्र रिशु जंशु द्वारा

आदेश की क्रम संख्या तिथि	आदेश एवं पदाधिकारी का हस्ताक्षर	आदेश पर की गई कार्रवाई के बारे में टिप्पणी तिथि सहित
1	2	3

अपने पत्र में कोई कागजात प्रस्तुत नहीं किया, यह स्पष्ट प्रमाणित करता है कि प्रमनगत भूमि में संबंधित कोई भी दस्तावेज इसके पास नहीं है। श्री गिरी के यह आरोप है कि रिजु गंभू वल्लु रिजु गंभू द्वारा 45 से 50 बी. ए.सी. का मिट्टी काटकर भूमि को हटाकर कर दिया गया है। स्पष्ट है कि रिजु गंभू द्वारा कोई कागजात नहीं दिखाना उक्त भूमि पर अकेले हकीकत के दावा को निरस्त करना है। परन्तु जहाँ तक प्रमनगत भूमि पर मिट्टी काटने का मामला है, यह दुन्दरे के भूमि पर अकेले दावा है जिसे जब कूल के कारण सभम न्यायालय का मामला बनता है। इस मामले के निबटारे के लिए यह न्यायालय सभम न्यायालय नहीं है।

उक्त शर्तों परों को सभम न्यायालय में अपना पत्र प्रस्तुत करने का निर्देश दिया जाता है। एवं इस दावा की कार्रवाई को समाप्त किया जाता है।

1

 17-2-17
 संपन्न अधिकारी
 न्यायालय।